



बच्चों की प्रतिभा पहचानकर अवसर देना हम सभी की जिम्मेदारी : नायक पाटन। समग्र शिक्षा, जिला शिक्षा विभाग एवं डाइट दुर्ग के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तरीय पठनवार प्रतियोगिता 2026 (बालक वर्ग) का आयोजन पाटन में हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने स्पीड रीडिंग, स्टोरी टेलिंग, मैथ मैजिक, स्पीड कैलकुलेशन और क्विज बैटल जैसी विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा, रबच्चों के भीतर प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उसे पहचानकर उचित मंच देने की है। कार्यक्रम में नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश (निक्की) भाले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी डालेंद्र देवांगन सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तांदुला नहर से पानी छोड़ने की उठाई मांग पाटन। पाटन विधानसभा और दुर्ग जिले के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में खंडवर्षा (ड्रिपटुट बारिश) के कारण खेती-किसानी के काम प्रभावित हो रहे हैं। पर्याप्त वर्षा न

होने से फसलों को पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। ग्राम पंचायत सेलुद के सरपंच खिलेश (बबलू) मार्कंडे ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए शासन-प्रशासन से तान्दुला बांध से तत्काल नहरों में पानी छोड़ने की मांग की है। किसानों के अनुसार, बारिश रुकते ही खेत सूख जाते हैं और नमी कम हो जाती है। पानी की कमी के चलते किनारे के धान के पौधों को दीमक और चूहे भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके अलावा, अटल ज्योति योजना के तहत पर्याप्त बिजली न मिलने और बार-बार कटौती होने से सिंचाई कार्य बाधित हो रहा है। बिजली विभाग द्वारा खराब ट्रांसफॉर्मर और तकनीकी समस्याओं का त्वरित सुधार न किए जाने से स्थिति और बिगड़ गई है।

निधन

कृष्णा पाण्डे

भिलाई। 664 सिंधिया नगर दुर्ग निवासी कृष्णा पाण्डे उम्र 87 वर्ष का निधन 9 सितंबर को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. चंद्रिका प्रसाद पाण्डे की पत्नी एवं विजेंद्र पाण्डे की मां थीं।

ईश्वर टांक

जामुल। लेबर केम्प जामुल वार्ड 12 निवासी एवं एसीसी सीमेंट प्लांट जामुल के पूर्व ठेकेदार ईश्वर लाल टांक 84 वर्ष का आकस्मिक निधन 8 सितंबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 सितंबर को जामुल के स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे हेमंत टांक एवं नवीन टांक के पिता थे।

नाम परिवर्तन
 सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अंकित कुमार झा उम्र 26 वर्ष, पिता किशोर कुमार झा, निवासी-क्वाटर नं. 2-ए, सड़क-23, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन - 490006 यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना (पुराना नाम) अंकित कुमार झा को त्याग कर (नया नाम) अंकित झा रख लिया है। अतः आज से समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरा (नये नाम) अंकित झा से ही जाना पहचाना जावे।
 अंकित झा
 पिता किशोर कुमार झा
 निवासी-क्वाटर नं. 2-ए, सड़क-23, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन-490006।
 मोबाइल नं. 6267513926

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर गहरा आक्रोश, समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग

जर्जर सड़क, बिजली के खंभे और खतरनाक तारों से वार्डवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ►► पाटन

पाटन नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 11 स्थित महावीर चौक क्षेत्र में इन दिनों बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को लेकर वार्डवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। जर्जर सड़क, बिजली खंभों में बार-बार आने वाले फॉल्ट और वर्षों से लटके खतरनाक केबल तार स्थानीय नागरिकों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। वार्डवासियों ने समस्याओं को उजागर करते हुए नगर पंचायत एवं संबंधित विभागों से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

जर्जर सड़क से आवागमन बाधित

महावीर चौक स्थित चंद्रिका देवांगन के घर से वागेश वासाशंकर के घर तक पिछले कार्यकाल में बिछाए गए चेकर टाइल्स अब पूरी तरह उखड़ चुके हैं। सड़क की स्थिति दयनीय होने के कारण नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों का आरोप है कि सत्ता परिवर्तन को 2 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी वर्तमान पार्षद द्वारा समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने उक्त मार्ग पर जल्द से जल्द आधुनिक सीसी रोड निर्माण कराने की मांग रखी है।

हादसे की आशंका, संबंधित विभागों तक शिकायत भी कर चुके



क्या कहते हैं वार्ड के लोग ?

देवकी देवांगन: मैंने पार्षद से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके अलावा, मेरे बुजुर्ग समुदाय को नगर पंचायत द्वारा पूर्व कार्यकाल में कागजों पर भुत घोषित कर दिया गया है, जिसका समाधान आज तक नहीं हो सका है।
बेदिया देवांगन: बारिश के समय नलियों का पानी सड़क पर आ जाता है, जो उखड़े हुए टाइल्स के नीचे जमा हो जाता है। वार्ड में जनप्रतिनिधि केवल वोट मांगने आते हैं, बाकी

बिजली खंभे में लगातार फॉल्ट

वार्ड स्थित महावीर मंदिर के सामने लगे बिजली के खंभे में आए दिन तकनीकी खराबी आ जाती है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बिजली विभाग के कर्मचारी शिकायत पर पहुंचते तो हैं, लेकिन केवल अस्थायी मरम्मत करके चले जाते हैं। स्थायी समाधान न होने से समस्या बार-बार उमरती है।

5 वर्षों से लटके पुराने केबल तार

वार्डवासियों ने बिजली खंभों पर वर्षों से लटके पुराने और अनुपयोगी डिस्क केबल तारों को लेकर चिंता जताई है। करीब पांच वर्षों से बंद पड़े ये तार कई स्थानों पर कटे, जले और टूटे पड़े हैं। जर्जर तारों के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। नागरिकों ने इन्हें ज़ुरत हटाने की मांग की है।



रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों ने संभाला मोर्चा

अंडा। ग्राम कोडिया में शौर्य युवा संगठन द्वारा मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कोडिया की 'जुनियर रेडक्रॉस' शाखा के विद्यार्थियों ने वॉलंटियर्स के रूप में सराहनीय सेवाएं दीं। विद्यार्थियों ने शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं की सहायता कर सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

जुनियर रेडक्रॉस द्वारा रसेवाभाव धर्म हमाराह के ध्येय वाक्य के साथ विद्यार्थियों को समाजसेवा और मानवता के कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में रेडक्रॉस प्रभारी श्रीमती दानेश्वरी सिन्हा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए स्वयं रक्तदान किया। उन्होंने बताया कि रक्तदान एक महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सकता है। प्रभारी के इस कदम से विद्यार्थियों में भी समाजसेवा और रक्तदान के प्रति उत्साह देखने को मिला। पूरे शिविर के दौरान विद्यार्थियों की सक्रियता सराहनीय रही।

सांसद विजय के प्रयासों के बाद केंद्र का फैसला

ग्रामीण-शहरी एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, अब 25 दिन में बुक होगा अगला सिलेंडर

हरिभूमि न्यूज ►► मिलाई

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए केंद्र सरकार ने रिफिल बुकिंग को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब देशभर में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ता 25 दिन के अंतराल पर अगला एलपीजी सिलेंडर बुक करा सकेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को सबसे बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जहां पहले अगली रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन का अंतराल था।

दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एलपीजी रिफिल बुकिंग की अवधि में अंतर समाप्त करने की मांग केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के समक्ष उठाई थी। सांसद ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर सभी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन की समान व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया था। 10 अगस्त को भाजपा भिलाई के पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र साहू और गैस एजेंसी संचालक संविता साहू ने नई दिल्ली में सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर एलपीजी रिफिल बुकिंग से जुड़ी समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद सांसद ने



ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस की उपलब्धता से जुड़ी समस्या को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री को पत्र लिखा और उनसे मुलाकात भी की। 11 अगस्त को सांसद की एलपीजी विभाग की संयुक्त सचिव सुजाता से भी टेलीफोन पर चर्चा हुई और मामले को प्राथमिकता से लेने का अनुरोध किया गया।

45 दिन से घटकर 25 दिन हुआ अंतराल

केंद्र सरकार के निर्णय के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी रिफिल बुकिंग का अंतराल 45 दिन से घटाकर 25 दिन कर दिया गया है। अब ग्रामीण और शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग का अंतराल समान रहेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 7 सितंबर को तेल विपणन कंपनियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 25 दिन का समान एलपीजी रिफिल बुकिंग अंतराल तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। सांसद विजय बघेल ने कहा कि एलपीजी जैसी आवश्यक घरेलू सुविधा में ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं के बीच बुकिंग अवधि का अंतर नहीं होना चाहिए। ग्रामीण परिवारों की भी समय पर रसोई गैस उपलब्ध होना जरूरी है। उन्होंने इस निर्णय के लिए केंद्र सरकार, पेट्रोलियम मंत्री और संबंधित अधिकारियों का आभार जताया।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

— मेटरनटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल —

प्रधान सुविधाएँ

- नवदती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्भवती एवं सौजीविक डिलीवरी
- एवं वसंतोटी का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वसुविधासुक्त PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसेल, लसकन सीजन की सुविधा

- आयुजान कार्ड और CSEB से केरालेत उपचार,
- TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनसीबीएस, एनडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनसीबीएस, की.ओ.सी.) स्त्री एवं पुरुष रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
एकमा नगर, अम्बेकर चौक के पास, बुकिवारी रायपुर
संध : मातृ स्मृति नंगल बाजार, माकमी मॉडर के सामने, बुकिवारी, रायपुर

भास्कर आईकेयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी
लेजर विशेषज्ञ

फेकरी रॉजिन एवं गुरुकीमा विशेषज्ञ
MOORFIELD'S EYE HOSPITAL LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

जिरेकंदी सलसंग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 📞 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

📍 फाफाडी, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
📞 9827144197, 9827144777

- 🔹 मूत्र रोग एवं सर्जरी
- 🔹 किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- 🔹 प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- 🔹 यौन संबंधी समस्याएं
- 🔹 महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

📍 सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। 📍 मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडी मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

बिजनेस साइट

सिल्क इंडिया में ग्राहकों का मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

भिलाई। सिल्क इंडिया की भव्य प्रदर्शनी स्टील क्लब सेक्टर 8 भिलाई में लगाई गई है। इस प्रदर्शनी ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। यह प्रदर्शनी 13 सितंबर तक आयोजित है। संचालिका तारा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में भारत के अलग-अलग राज्यों के अर्थोटिक व ट्रेडेशनल सिल्क, कॉटन हेण्डलूम की विशाल रेंज ग्राहकों के लिए रखी गई है। कोलकाता की सिल्क साड़ी तथा भागलपुर की सिल्क साड़ियां महिलाओं को लुभा रही है। वहीं युवतियों के लिए उत्तर प्रदेश की लखनवी चिकन तथा कौटन सलवार की विशाल रेंज युवतियों को खूब लुभा रही है। इतना ही नहीं भिलाई दुर्ग में आयोजित इस एक्जीबिशन में ग्राहकों को उचित मूल्य पर अच्छे कलेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें कोलकाता की सिल्क साड़ी, राजस्थानी मोजड़ी एवं कुर्ती, सिल्क साड़ी, कर्नाटक की पोचमपल्ली साड़ी, डिजाइनर लेदर जैकेट, उत्तर प्रदेश की लखनवी चिकन व ड्रैस मटेरियल और लखनवी साड़ियां, बनारसी सिल्क साड़ी, लेडिस कुर्ती, गुजराती सिल्क साड़ी, मनमोहक मुखवास, भागलपुर की सिल्क साड़ियां, जूट बैग सामानों की विशाल रेंज उपलब्ध है।



अतुल ऑटो में ऑटो की खरीदी पर एलईडी टीवी उपहार



भिलाई। शहर के व्यापारियों, ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों और यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब भिलाई में भी अतुल ऑटो के आधुनिक और दमदार कमर्शियल वाहन उपलब्ध हो गए हैं। सुपेला रोड स्थित गीता मोटर्स को अतुल ऑटो का अधिकृत विक्रेता बनाया गया है, जहां डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मॉडल्स की विस्तृत रेंज ग्राहकों के लिए पेश की जा रही है। गीता मोटर्स द्वारा लॉन्च किए गए इन वाहनों में इलेक्ट्रिक और पारंपरिक दोनों प्रकार के मॉडल शामिल हैं, जो व्यापार को नई ऊंचाइयों देने में सक्षम बताए जा रहे हैं। कंपनी ने बढ़ती ईंधन कीमतों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष फोकस किया है। कंपनी के अनुसार यह वाहन लगभग 207 किलोमीटर तक का इंटरसिटी माइलेज देने में सक्षम है। साथ ही इसकी बैटरी केवल 6 घंटे में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो

जाती है। अतुल ऑटो में हर ऑटो की खरीदी पर एलईडी टीवी उपहार स्वरूप दिया जाएगा। वाहन में ड्राइवर और यात्रियों के लिए अधिक स्पेस दिया गया है, जिससे सफर आरामदायक बनता है। गीता मोटर्स में कारों और सवारी दोनों प्रकार की गाड़ियां उपलब्ध हैं। इनमें अतुल जेमी, अतुल शक्ति डीजल कारों, अतुल रिक प्लस, अतुल स्मार्ट कारों सीएनजी और अतुल जेम जैसे मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने अपने वाहनों में 435 सीसी एयर कूल इंजन का विकल्प भी उपलब्ध कराया है। साथ ही पुली वाले साधारण इंजन में भी वाहन उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अतुल के इन वाहनों की उपलब्धता से भिलाई और आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम व्यापारियों को काफी फायदा मिलेगा। इच्छुक ग्राहक गीता मोटर्स, लक्ष्मी मार्केट के सामने, सुपेला रोड, भिलाई में संपर्क कर सकते हैं।

बिजली के हाई वोल्टेज का कहर, निकुम में जले मीटर घरों के उपकरण हुए खाक

हरिभूमि न्यूज ►► निकुम

सब स्टेशन अंडा से आपूर्ति के दौरान निकुम सब स्टेशन के पास स्थित गायत्री मंदिर के ट्रांसफार्मर में अचानक आए हाई वोल्टेज से मंगलवार 8 सितंबर की दोपहर करीब 3 बजे हड़कंप मच गया। तेज वोल्टेज की चपेट में आने से कई घरों में भारी नुकसान हुआ है। हादसे में तोप सिंह अमृत का बिजली मीटर जल गया, वहीं मनीष बेलचंदन के घर टीवी, फ्रिज व एसी जलकर खाक हो गए। क्षेत्र के तकरीबन 30 परिवारों को नुकसान पहुंचा है; कई घरों में मोबाइल चार्जर समेत अन्य विद्युत उपकरण खराब हो गए। घटना से आक्रोशित दीपनारायण देशमुख, भावेश बेलचंदन और मानसिंह बेलचंदन सहित कई पीड़ित परिवारों ने सीएम हेल्पलाइन (1076) में अव्यवस्था को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। मानसिंह बेलचंदन ने बताया कि अचानक वोल्टेज बढ़ने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई परिवारों ने तत्काल मेन स्विच



■ अचानक बढ़ा वोल्टेज, टीवी, फ्रिज और मोबाइल चार्जर समेत कई खराब

बंद कर उपकरण बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक अधिकांश घरों में नुकसान हो चुका था। प्रभावित लोगों को बड़ा आर्थिक झटका लगा है। सूचना मिलते ही पहुंचे जेई (अंडा) मिनेश साहू ने बताया कि खबर मिलते ही विभागीय टीम मौके पर पहुंची और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया गया है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को तत्काल तकनीकी जांच करनी चाहिए ताकि दोबारा ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

अधिकारियों के प्रति ग्रामीणों में आक्रोश

हाई वोल्टेज की घटना को लेकर ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति गहरा आक्रोश है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर वोल्टेज बढ़ने के कारणों का पता लगाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के समय सड़क पर शार्ट सर्किट होने के बाद बिजली का तार नीचे गिरा हुआ था।





लाइव इवेंट

कुर्मी संझा के रजत जयंती पर 19 व 20 दिसंबर आयोजन,



दुर्ग। कुर्मी संझा के 25वें वर्ष यानी रजत जयंती वर्ष और 16वें प्रांतीय महाधिवेशन को भव्य स्वरूप देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आयोजन 19 एवं 20 दिसंबर 2026 को 36-फोर्ट, कोलिहापुरी, दुर्ग में आयोजित किया जाएगा। तैयारियों को लेकर आयोजन स्थल पर बैठक हुई। इसमें आयोजन की रूपरेखा, स्थल व्यवस्था, समितियों की जिम्मेदारियों और समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में दुर्ग सांसद एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज के प्रदेशाध्यक्ष विजय बघेल ने कहा कि कुर्मी संझा का रजत जयंती वर्ष समाज के लिए गौरव और ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि आयोजन केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रहकर समाज की एकता, संगठनात्मक शक्ति और सभी वर्गों की सहभागिता का परिचायक बने। उन्होंने समाज के सभी संगठनों और वर्गों को आयोजन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। युवा कुर्मी मित्र मंडल भिलाई नगर के अध्यक्ष अजय चंद्राकर ने प्रस्तावित कार्यक्रमों और तैयारियों की जानकारी दी। वहीं केन्द्रीय दिल्लीवार कुर्मी समाज के उपाध्यक्ष केशव बंटी हरमुख ने आयोजन को भव्य बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में कुर्मी संझा के संयोजक डाकेश्वर परनिहा, महिला संयोजिका रीना देशमुख, अखिल भारतीय कुर्मी समाज के संरक्षक मन्लाल परनिहा, प्रदेश कुर्मी समाज के संरक्षक अश्वनी चंद्राकर, डॉ. राजेन्द्र हरमुख, युवा प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष योगेश्वर देशमुख, प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला दुर्ग के अध्यक्ष सुनील चंद्राकर, मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज के राज प्रधान ईश्वरी वर्मा, कुर्मी संझा के सहसंयोजक पुष्पक राज देशमुख, चंडनाह कुर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ के केन्द्रीय प्रतिनिधि विजय चंद्राकर कार्यकर्ता एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिकता और प्रमाणिकता जरूरी



भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन उच्च शिक्षा एवं शिक्षण की गुणवत्ता से जुड़े दो महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षकों को शोध, अकादमिक लेखन और आधुनिक तकनीकी उपकरणों के प्रभावी उपयोग के लिए नवीनतम जानकारी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए किया गया था।

जिसके प्रथम सत्र में रिसर्च मेथोडोलॉजी और अकादमिक लेखन विषय पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर डॉ. राजीव चौधरी ने व्याख्यान दिया। उन्होंने शोध की वैज्ञानिक प्रक्रिया, शोध विषय के चयन, शोध समस्या के निर्धारण, शोध पद्धति, आंकड़ों के विश्लेषण तथा गुणवत्तापूर्ण अकादमिक लेखन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिकता, प्रमाणिकता और अकादमिक नैतिकता अत्यंत आवश्यक है। द्वितीय सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी का शिक्षण में उपयोग विषय पर एनआईटी रायपुर के प्रोफेसर डॉ. नरेश नागवानी ने शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं आईसीटी टूल्स की बढ़ती भूमिका, डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा तकनीक के माध्यम से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के लिए नई तकनीकों से परिचित होना तथा उनका जिम्मेदारीपूर्ण एवं रचनात्मक उपयोग करना आवश्यक है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सोन अग्रवाल ने बताया कि फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से शिक्षकों को उच्च शिक्षा में हो रहे नवीन परिवर्तनों, शोध उत्कृष्टता और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदर्श मिश्रा ने किया। आयोजन में आकांक्षा शर्मा पूजा ठाकुर एवं धीरेन्द्र पराते का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. साकेत जैसवानी, डॉ. प्राची नीमजे, डॉ. संजु सिंह सहित शिक्षक और शोध छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



जन्माष्टमी के बाद आज मंदिरों व घरों में मनाया जाएगा छड़ुटी का पर्व

कृष्ण छठी पर आज होगा लड्डू गोपाल का पंचामृत से स्नान कराएंगे सूर्य के दर्शन, हरिरा और कढ़ी चावल का लगेगा भोग

भिलाई। जन्माष्टमी के छ दिन बाद श्री कृष्ण का छठी उत्सव वृंदावन की अनुसार आज राधा-कृष्ण मंदिरों में धूमधाम से मनाया जाएगा। पंडितों के अनुसार चूंकि कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को मनाई गई थी, इसलिए इसके 6 दिन बाद भाद्रपद कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को लड्डू गोपाल की छठी पूरे विधि-विधान से मनाई जाएगी। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर आज कृष्ण छठी पर्व पर उत्सव के दौरान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराकर नए वस्त्र धारण कर कढ़ी-चावल एवं गुड़, मेवा बादाम आदि से बनाया गया स्वादिष्ट व्यंजन हरिरा का भोग श्री कृष्ण व माता यशोदा को लगाया जाएगा। इस दौरान सोहर, लोकगीत व भजन बाकर सभी जगह खुशियां मनाई जाएगी। कई स्थानों में बुधवार को ही छठी मनाया गया है।



छठी कल्याण के लिए जरूरी

राधा-कृष्ण मंदिर सेक्टर 6 के पुजारी आचार्य पं सुनील द्विवेदी ने बताया की हिंदू धर्म में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के छ दिन बाद कृष्ण छठी का बहुत महत्व है। सनातन हिन्दू परिवारों में नवजात के जन्म के पश्चात प्रसूता को छ दिनों तक प्रसूति गृह में ही रखा जाता है। 6 दिनों पश्चात माता सूर्य की रोशनी में आती है। मां और नवजात शिशु को सूर्य की किरणों से उत्तम स्वास्थ्य लाभ मिलता है। ऐसा माना जाता है कि जिस तरह बच्चे की छठी उनके कल्याण के लिए मनाई जाती है, उसी तरह भगवान कृष्ण की छठी भी उनके आशीर्वाद और अच्छे स्वास्थ्य के लिए मनाई जाती है।

श्रीकृष्ण छठी पूजा विधि का बताया महत्व

पंडितों ने बताया कि श्रीकृष्ण छठी पूजन के लिए ब्रम्ह मुहूर्त में उठकर स्नान लड्डू गोपाल का पंचामृत से स्नान कराकर प्रभु को नए वस्त्र पहनाएं। उन्हें रोली या पीले चंदन से तिलक करें। अब भगवान को फूल माला अर्पित करें और दीपक जलाकर आरती करें। इसके पश्चात गोपाल को माखन मिश्री के साथ कढ़ी चावल का भोग अर्पित करें। पूजा आरती के बाद प्रभु से जीवन में सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए कामना करने से घर में सुख-शांति का वास होता है। चौकी पर लाल अथवा पीला कपड़ा बिछाकर प्रभु को विराजमान करें।

लड्डू गोपाल की छठी के दिन बने शुभ योग

जन्माष्टमी के 6 दिन बाद भगवान बाल कृष्ण की छठी की जाती है। मान्यताओं के अनुसार इन्हें अधिष्ठात्री देवी के नाम से जाना जाता है। जिन्होंने अपनी कृपा से राजा प्रियव्रत के मृत पुत्र को पुनर्जीवित किया था। कृष्ण छठी के इस अनुष्ठान में बच्चे को नहलाना और उसे नए कपड़े पहनाया जाता है। षष्ठी माता की पूजा विधि-विधान से करना उत्सव का अभिन्न अंग है। उत्सव के दौरान कान्हा को कढ़ी-चावल एवं गुड़, मेवा बादाम आदि से बनाया गया स्वादिष्ट व्यंजन हरिरा (हरि कृष्ण का भोग) बनाकर उसका भोग लड्डू गोपाल व माता यशोदा को लगाया जाएगा है।

आज लगेगा 56 भोग

कृष्ण जन्माष्टमी के बाद इस दिन षष्ठी माता की पूजा की जाती है। मान्यताओं के अनुसार इन्हें अधिष्ठात्री देवी के नाम से जाना जाता है। जिन्होंने अपनी कृपा से राजा प्रियव्रत के मृत पुत्र को पुनर्जीवित किया था। कृष्ण छठी के इस अनुष्ठान में बच्चे को नहलाना और उसे नए कपड़े पहनाया जाता है। षष्ठी माता की पूजा विधि-विधान से करना उत्सव का अभिन्न अंग है। उत्सव के दौरान कान्हा को कढ़ी-चावल एवं गुड़, मेवा बादाम आदि से बनाया गया स्वादिष्ट व्यंजन हरिरा (हरि कृष्ण का भोग) बनाकर उसका भोग लड्डू गोपाल व माता यशोदा को लगाया जाएगा है।

ब्रज मंडल में महिलाएं गाएंगी बधाई गीत

सेक्टर 6 ब्रजमंडल भिलाई के सचिव राजेश शर्मा ने बताया कि श्री राधा कृष्ण मंदिर में मंडल



की महिला समिति द्वारा छठी उत्सव आज मनाने की तैयारी की जा रही है। जिसमें भगवान बालकृष्ण के विग्रह को विभिन्न पुष्पों से सुसज्जित झूले में विराजित किया जाएगा है। मंदिर परिसर को भी रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया जा रहा है। महिला श्रद्धालुओं द्वारा कृष्ण समर्पित भक्ति गीत, भजन और बधाई लोकगीत गाकर, नाचकर अपनी खुशियों को व्यक्त करेंगी। इस अवसर पर छोटे बालक को भगवान श्री कृष्ण के रूप में सजा कर उनके माता-पिता के रूप में वासुदेव और यशोदा माता का रुप धारण कर सजीव, जीवंत झांकी द्वारा प्रदर्शित जाएगा।

तस्वीरों, चित्रों, यात्रा लेखन और कविताओं के जरिए समझाया हिमालय का प्रतिनिधित्व

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के लिबरल आर्ट्स विभाग की ओर से इंटरसेक्शन व्याख्यान श्रृंखला के तहत आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया। कनाडा के मैकगिल विश्वविद्यालय के डॉ. संदीप बनर्जी ने माउंटेन रेलीम, माउंटेन रेलीरी, एक्सकर्शनस इनटू हिमालयन एस्थेटिक्स विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. बनर्जी ने अपने व्याख्यान में उन्नीसवीं सदी के अंतिम दौर से लेकर बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों के बीच हिमालय को लेकर तैयार किए गए विभिन्न ग्रंथों और चित्रों का विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि तस्वीरों, पेंटिंग, यात्रा लेखन और कविताओं में हिमालय को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि एक अनुभववात्मक स्थल के रूप में भी प्रस्तुत किया गया है। व्याख्यान के दौरान हिमालय के चित्रण के लिए



कलाकारों और लेखकों द्वारा अपनाई गई विभिन्न पाठ्य रणनीतियों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही मानव और प्रकृति के संबंधों को समझने में इन रचनाओं की भूमिका पर भी विचार किया गया। डॉ. बनर्जी ने यूरोपीय और भारतीय लेखकों एवं कलाकारों की रचनाओं में हिमालय के चित्रण की समानताओं और अंतरों को भी सामने रखा। उन्होंने बताया कि

अलग-अलग सांस्कृतिक दृष्टिकोणों के कारण हिमालय को देखने और प्रस्तुत करने के तरीके भी अलग रहे हैं। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर और चर्चा का आयोजन हुआ। इसमें प्रकृति के उपभोग, पर्यावरण के प्रति मनुष्य के दृष्टिकोण और साहित्यिक एवं कलात्मक रचनाओं को पढ़ने के विभिन्न तरीकों जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

मिट्टी के रंगबिरंगे नंदी बैल, बच्चों की चूल्हा-चौकी बर्तन और पहिए वाली गाड़ी पर प्रकृति की झलक

पोला पर्व पर शहर के बाजार गुलजार, मिट्टी के बर्तन और खिलौने कर रहे आकर्षित, पूजन और सजावटी सामग्री की हो रही खरीदारी



सुहागा, गंदा फूल, चांदनी, आठपत्तिया फूल, धान के पौधे व बालियां, नदियों और सूरज, चांद, जंगलों की हरियाली को चित्रकारी के माध्यम से इंद्रधनुषी रंग में उकेरा गया है। समय के साथ अब इन मिट्टी के खिलौनों से लेकर बर्तन, दीए, चुकिया सभी को आकर्षक बनाने का नया-नया प्रयोग किया जाने लगा है।

मनोरंजन के लिए विविध आयोजन

आज रिसाली सहित कई स्थानों में बैल सजाओ व दौड़ प्रतियोगिताओं के आयोजन का शहरवासियों को आनंद उठाने का अवसर मिलेगा। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पोरा तिहार उत्सव के लिए क्षेत्रवासियों द्वारा भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा प्रतियोगिता में मुख्य रूप से भव्य बैल दौड़ एवं नांदिया बैला चलई अऊ जांता चलई के प्रदर्शन सहित और भी कई प्रतियोगिताएं शामिल रहेगी। बुधवार को शहर के पावर हाउस, सुपेला, जवाहर मार्केट, रिसाली, दुर्ग इंदिरा मार्केट में पारंपरिक त्योहार पोला के लिए बाजार में मिट्टी से बने बैल अलग अलग रंगों के साथ डिजाइन में, पोला और खिलौने जैसे चूल्हा, मटका, कढ़ाई, गंजी समेत अन्य प्रकार से बनीं मिट्टी की पूजन सामग्री बिकने के लिए दुकानें सजी हुई थीं।



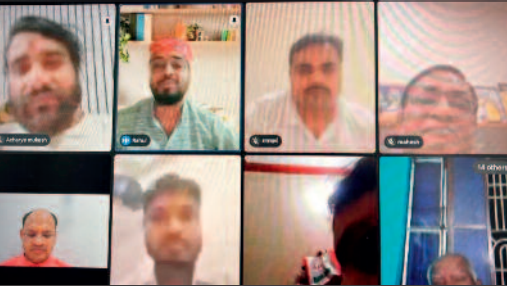
कार्नेर न्यूज

भिलाई। पोला पर्व पूरे छत्तीसगढ़ सहित दिवनसिटी में गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए लोग शहर के बाजारों में मिट्टी के बैल, पोला-जतुलिया, चुकिया, बच्चों के चूल्हा-चौकी, बर्तन व खिलौनों, पूजन व सजावटी सामग्री की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। पोला पर्व पारंपरिक खेती-किसानी पद्धति और धरती की हरियाली से जुड़ा उत्सव है। कई स्थानों में शुक्रवार को मनाया जायेगा।

ऐसे में बाजारों में मिट्टी के बैल, पोला, चुकिया, बच्चों के चूल्हा-चौकी के बर्तन व खिलौनों में प्रकृति के विविध रंगों दिखाई पड़ रही है। इन मिट्टी के बैल, पोला, चुकिया, बच्चों के चूल्हा-चौकी बर्तन, पहिए वाले बैल सजे गाड़ियों पर फूलों, फसलों, पेड़, पौधों, इंद्रधनुष, नदी, चांद, सूरज की चित्रकारी उकेरी गई है, जिससे यह बच्चों और बड़ों को आकर्षित कर रहे हैं। पावर हाउस, सुपेला, दुर्ग, रिसाली सहित सभी बाजारों में मिट्टी के नंदी बैल व बर्तनों का स्टॉल लगे हुए हैं। गांव से आकर दुकान लगाने वाले वर्कण ने बताया कि मिट्टी के बर्तन व खिलौने बनाना उनका परंपरागत व्यवसाय है। पोला पर्व खेती, पशुधन और किसान, फसलों, हरियाली के उत्सव का पर्व है, ऐसे में इन मिट्टी के बैल, बर्तनों, खिलौनों को आकर्षक बनाने के लिए इनमें आसपास के विविध फूलों जैसे सदा-

सिटी इवेंट

पंद्रह दिवसीय ऑनलाइन महोत्सव में देश-विदेश से जुड़े संस्कृत प्रेमी



भिलाई। संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं की समृद्ध विरासत है। इसी विरासत के संरक्षण और संवर्धन का संदेश देते हुए छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान की ओर से आयोजित पंद्रह दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव का समापन हुआ। महोत्सव में छत्तीसगढ़ के साथ देश के विभिन्न हिस्सों और अमेरिका से भी संस्कृत प्रेमियों ने जुड़कर संस्कृत भाषा के प्रति अपनी रुचि और सहभागिता दिखाई। महोत्सव का शुभारंभ स्वामी निर्मल स्वरूप महाराज की उपस्थिति में हुआ। पंद्रह दिनों तक चले इस आयोजन में संस्कृत भाषा, साहित्य, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े विभिन्न विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। आयोजन का उद्देश्य संस्कृत को केवल अध्ययन की भाषा तक सीमित न रखते हुए उसे भारतीय जीवन पद्धति और ज्ञान परंपरा से जोड़ना रहा।

महोत्सव के दौरान संस्कृत में नवाचार, स्तुति प्रतियोगिता, शब्द भंडार, आदर्श ध्येय वाक्य प्रतियोगिता और संस्कृत प्रश्नमंच जैसी गतिविधियों ने प्रतिभागियों को खूब आकर्षित किया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों और युवाओं को संस्कृत सीखने के साथ अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिला। वहीं काशी की शास्त्रार्थ परंपरा पर केंद्रित आयोजन के माध्यम से भारतीय बौद्धिक परंपरा की जानकारी दी गई। संस्कृत-हिंदी के विश्वकवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें उनके साहित्य और भारतीय संस्कृति में योगदान पर चर्चा हुई। महोत्सव में संस्कृत साहित्य के साथ योग, आयुर्वेद, दर्शन और भारतीय परंपराओं में निहित ज्ञान को भी सामने लाया गया। श्री बदरीनाथ धाम विषयक व्याख्यान के माध्यम से भारतीय तीर्थ एवं आध्यात्मिक परंपरा से परिचित कराया गया। इसके अलावा संस्कृत शोभायात्रा, संस्कृत रूपक सहित विभिन्न प्रस्तुतियों ने आयोजन को रोचक और जीवंत बनाया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस महोत्सव ने संस्कृत को भौगोलिक सीमाओं से आगे ले जाने का काम किया। देश के साथ अमेरिका से संस्कृत प्रेमियों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा के प्रति रुचि आज भी वैश्विक स्तर पर बनी हुई है। पंद्रह दिनों तक चले इस आयोजन ने संस्कृत के संरक्षण-संवर्धन के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक पहल की।

सिटी लाइव

शायरी और गीतों ने बांधा समां
एहसासों से सजी शाम-ए-गजल



भिलाई। गजल के शब्द जब सुरों में ढलते हैं तो महफिल सिर्फ संगीत की नहीं रहती, बल्कि एहसासों की भी हो जाती है। कुछ ऐसा ही नजारा सेक्टर-7 स्थित रशियन कॉम्प्लेक्स में देखने को मिला, जहां सजी 'शाम-ए-गजल' में सुर, शायरी और भावनाओं का खूबसूरत संगम हुआ। सुर संगीत संगम मेलेोडी मेकर्स, भिलाई की ओर से आयोजित इस सांगीतिक संध्या में छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने लोकप्रिय गजलों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं को देर तक बांधे रखा। कार्यक्रम में गायक अंथोनी फ्रांसिस, शांताराम वानखेड़े, नारायण शास्त्री, कविता सिंह, भारती अशोक और सुरूची यादव ने अपनी-अपनी गायन शैली में गजलों को प्रस्तुत किया। किसी की आवाज में प्रेम की मिठास सुनाई दी तो किसी की प्रस्तुति में विरह और जिंदगी के उतार-चढ़ाव की झलक दिखाई दी। कलाकारों की भावपूर्ण गायकी के साथ सभागार तालियों से गुंजता रहा। संगीत प्रेमियों के लिए शाम खास इसलिए भी रही, क्योंकि इसमें गुलाम अली, तलत अजीज, बेगम अख्तर, पंकज उघास, जगजीत सिंह, भूपिंदर सिंह और मोहम्मद रफ़ी जैसे दिग्गजों की यादगार गजलों को कलाकारों ने अपनी आवाज में प्रस्तुत किया। इन रचनाओं के जरिए श्रोताओं को गजल संगीत की उस दुनिया का अहसास हुआ, जहां कम शब्दों में गहरी भावनाएं व्यक्त होती हैं। कार्यक्रम का संचालन शायरा सबा खान ने किया। समापन अवसर पर संयोजक महेश कुमार विनोदिया ने सभी कलाकारों, श्रोताओं और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुम्भकार समाज भिलाई केंद्र के पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन



भिलाई। कुम्भकार समाज भिलाई केंद्र के पदाधिकारियों का चुनाव रविवार को जवाहर राम कुम्भकार के निवास हॉउस नं. 13/1 राधिका नगर भिलाई में संगठन का विस्तार आपसी सहमती से संपन्न किया गया। समाज के मौजूद सदस्यों ने अवधराम कुम्भकार केंद्र प्रधान, चम्पेश्वर चक्रधारी उप केंद्र प्रधान, गिरवर लाल प्रजापति सचिव, विष्णु प्रजापति कोषाध्यक्ष, पंच पद के लिए रामधन चक्रधारी, हिरामन कौशिक, जवाहर राम कुम्भकार एवं ओमप्रकाश चक्रधारी को जिला प्रतिनिधि मनोनीत किया गया। इसके अलावा अन्य सदस्यों को भी समाज उत्थान के लिए सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने, सामाजिक कार्य के लिए तत्पर रहना एवं शिक्षा को विशेष महत्व दिये जाने संबंध में संक्रिय भागीदारी निभाने की बात कही गई है। इस दौरान आनंदराम चक्रधर, ढालसिंग कुम्भकार, कमलनारायण कुम्भकार, रामजी प्रजापति, संतुराम प्रजापति, रामप्रकाश महादेवा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

पर्युषण पर्व का श्रमण संघ परिवार ने किया तप साधना से स्वागत अभिनंदन

पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, अहिंसा और क्षमा की साधना का महापर्व, जो लाता है जीवन में सकारात्मक परिवर्तन

दुर्गा। जैन धर्म में पर्युषण पर्व को आत्मचिंतन, संयम, तपस्या, अहिंसा और क्षमाभाव की साधना का महान पर्व माना गया है। यह पर्व केवल बाहरी उत्सव अथवा धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि व्यक्ति को अपने भीतर झांकने और आत्मा की शुद्धि की ओर अग्रसर करने का अवसर प्रदान करता है।पर्युषण पर्व के संदर्भ में मुख्य रूप से अहिंसा, क्षमा और संवत्सरी इन तीन भावों का विशेष महत्व बताया गया है। वर्षभर के परचात आने के कारण इसे वर्षधर पर्व भी कहा गया है। संवत्सरी पर्व की ऐतिहासिकता का उल्लेख जैन आगम एवं प्राचीन सूत्रों, विशेष रूप से जम्बूद्वीप प्रज्ञाप्ति आदि में मिलता है यह बातें जय आनंद मधुकर रतन भावन बांधा तालाब दुर्ग की धर्म सभा को संबोधित करते हुए मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्र संत डा मणिमद मुनि ने कही। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्र संत डॉ. मणिमद मुनि ने कहा कि पर्युषण पर्व के मूल में अहिंसा, क्षमा और संवत्सरी जैसे भाव निहित हैं। वर्षभर के बाद आने के कारण इसे वर्षधर पर्व भी कहा जाता है। संवत्सरी पर्व की ऐतिहासिकता का उल्लेख जैन आगम एवं प्राचीन सूत्रों में मिलता है। उन्होंने कहा कि पर्युषण मनुष्य को अपने आपरण की समीक्षा करने और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा देता है।



लौकिक नहीं, लोकोतर पर्व है पर्युषण

डॉ. मणिमद मुनि ने कहा कि पर्व मुख्य रूप से दो प्रकार के माने गए हैं—लौकिक और लोकोतर। लौकिक पर्वों का केंद्र बाहरी सजावट, शरीर को सुसज्जित करना और आमोद-प्रमोद होता है, जबकि लोकोतर पर्व मनुष्य को बाहरी आडंबर से ऊपर उठाकर आत्मचिंतन, संयम, तप, त्याग, क्षमा और आत्मशुद्धि की दिशा में ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्युषण की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह व्यक्ति को भय या किसी प्रलोभन से नहीं, बल्कि आत्मबोध और संयम से जोड़ता है। यह पर्व मनुष्य को अपने भीतर की कमियों को पहचानने, उन्हें दूर करने और जीवन को अधिक सरल, संयमित तथा सद्भावपूर्ण बनाने का संदेश देता है। पर्युषण का वास्तविक उद्देश्य बाहरी बदलाव नहीं, बल्कि भीतर का परिवर्तन है।

प्रतिदिन होगा आचार्य जयमलजी महाराज का जाप : पर्युषण पर्व के दौरान जय आनंद मधुकर रतन भवन में प्रतिदिन रात 8.15 से 9.20 बजे तक आचार्य समाट जयमलजी महाराज का जाप अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा। श्रमण संघ परिवार द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धा और साधना के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी की गई है।

साक्षरता दिवस का आयोजन

साक्षरता से आत्मविश्वास की ओर बढ़ाया कदम महिलाओं ने प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

भिलाई। साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने सीखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति में आत्मविश्वास और अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता विकसित करने का माध्यम भी है। इसी उद्देश्य को सार्थक करते हुए अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर श्री शंकराचार्य महाविद्यालय के लियो क्लब समर्पण एवं लायंस क्लब भिलाई पिनेकल के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लायंस क्लब भिलाई पिनेकल द्वारा संचालित प्रौढ़ शिक्षा केंद्र की महिलाओं के लिए विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए दो मिनट में अक्षरों को जोड़कर अधिक से अधिक शब्द बनाने की प्रतियोगिता रखी गई। इसके साथ ही उनकी द्रुत पठन क्षमता को परखने के लिए भी प्रतियोगिता हुई। इसमें चेदस स्कूप के माध्यम से स्क्रीन पर अलग-अलग शब्द दिखाए गए, जिन्हें प्रतिभागियों को तुरंत पढ़कर बताना था। दोनों प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी पढ़ने-लिखने की क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को लायंस क्लब भिलाई पिनेकल की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के लियो



क्लब समर्पण की ओर से प्रौढ़ शिक्षा केंद्र की सभी महिलाओं को शिक्षाप्रद कहानी संग्रह भेंट किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने प्रौढ़ शिक्षा केंद्र की शिक्षिका पद्मिनी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी लगन, मेहनत और धैर्य के कारण केंद्र से जुड़ी महिलाएं निरंतर सीखने के लिए प्रेरित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि महिलाएं उल्लास कार्यक्रम के तहत आयोजित महापरीक्षा में शामिल हुईं और अच्छे अंकों से सफल हुईं।

रामायण पुस्तिका भी भेंट

कार्यक्रम के दौरान लियो क्लब के



सदस्य गुरप्रीत, मंताशा एवं रुचिता ने शिक्षिका पद्मिनी को प्रौढ़ शिक्षा केंद्र के लिए रामायण की पुस्तिका भेंट की। इसमें रामायण से जुड़े छोटे-छोटे प्रसंग शामिल हैं। वक्ताओं ने कहा कि रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और विपरीत परिस्थितियों में धर्म, मर्यादा एवं कर्तव्य के पालन की प्रेरणा देने वाला मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में शालिनी सोनी, सुब्रता नागपाल, सुषमा दुवे सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

खेल-खिलखिलाहट और सम्मान के रंगों से सजा महिलाओं का मिलन समारोह

कुर्सी दौड़, बॉल पासिंग, बम ब्लास्ट और मटका फोड़ में दिखाया दमखम, हंसी-खुशी और उत्साह में जीता ईनाम

कार्न न्यूज

भिलाई। नेवई भाटा उमरपोटी स्थित श्याम श्यामा धाम में महिलाओं के लिए आयोजित मिलन समारोह उत्साह, उमंग और मनोरंजन से सराबोर रहा। श्याम श्यामा धाम स्वयं सहायता समूह के तत्वावधान में हुए इस आयोजन में महिलाओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष शीशलता गजेंद्र के नेतृत्व में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग जिला सदस्य श्रद्धा साहू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन भारती साहू ने किया।

खेलों में दिखा उत्साह

समारोह में महिलाओं के मनोरंजन के लिए कुर्सी दौड़, बॉल पासिंग, सुई-धागा, गोली-चम्पच, बम ब्लास्ट और मटका फोड़ सहित कई रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा के साथ उत्साह एवं आत्मविश्वास का परिचय दिया।



वहीं महिलाओं की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। पूरे आयोजन के दौरान हंसी-खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर निधि साहू और अंजू



प्रधान को तीज क्वीन चुना गया। दोनों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन में कॉलोनी की वरिष्ठ महिला शिक्षिका ममता साहू का विशेष सम्मान भी किया गया। वे पिछले 22 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं दे रही हैं। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट आकांक्षा जायसवार, लली छतरी, सीमा साहू, अनीता साहू, वंदना देशलहरी, जागृति मारकंडे, आरती साहू, जानकी, यासमीन, निधि साहू, प्रियंका

साहू, रितु चौबे, केसर साहू, अमृता सिंह, बिट्टू, रुचि सिंह, अनुपम, गायत्री, रेनू निषाद, सानवी, कंचन, जीतेश्वरी, राखी, तुलसी, रेखा साहू, योगिता, कल्याणी, प्रभा, गणेश, लक्ष्मी, प्रियंका, डोमेश्वरी, सुषमा, ओम सिन्हा, शकुन वर्मा, रामकुमारी, रेशमा साहू, आशा रानी, शैली यादव, रीना साहू, नारायणी वर्मा, सरोज वर्मा, चंदा सिंह, रागिनी शर्मा, अंजू प्रधान, अनीता सिंह, अहिल्या, मैना सोनवानी एवं नंदकुमारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

हेल्थ टिप्स

कहीं आप भी तो नहीं हो रहे घोस्टिंग के शिकार



घोस्टिंग यह ऐसा शब्द है जो हाल ही में प्रचलन में आया है। आपने अपने दोस्तों के मुंह से इस शब्द का उच्चारण सुना होगा, पर बहुत से लोग आज भी यह नहीं जानते हैं कि आखिर यह घोस्टिंग है क्या ? दरअसल, जब कोई व्यक्ति अचानक और बिना खास वजह के आपसे दूर होने लगे और आपको इग्नोर करने लगे तो इसे घोस्टिंग कहते हैं।

कई बार घोस्टिंग के मामले मेंटल हेल्थ से जुड़े होते है, क्योंकि बहुत से लोगों में रिश्ता स्वीकारने की हिम्मत नहीं होती, जिस वजह से भी वह घोस्टिंग का सहारा लेकर अपने पार्टनर को इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में अक्सर मनोवैज्ञानिक भी कहते हैं अपनी जिंदगी में घोस्टर्स को जगह नहीं देनी चाहिए।

अगर आप यह सोच रहे हैं कि आप भी घोस्टिंग के शिकार हो रहे हैं, तो यहां कुछ संकेत हैं जिससे आप पहचान सकते हैं। यदि इन संकेतों के जबाब हां मिल रहा है, तो तुरंत उस व्यक्ति से दूरी बनाएं।

अचानक बात कर दे बंद

हर किसी में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनसे नियमित रूप से बातचीत होती है। ऐसे में अगर वही व्यक्ति बिना किसी वजह से अचानक बात करना बंद कर दे तो यह घोस्टिंग का संकेत हो सकता है।

मैसेज का जबाव न देना



एक मैसेज का जवाब न दे पाए। ऐसे में यदि आपका भेजा हुआ संदेश सीन करके छोड़ दिया जाए, तो यह एक स्पष्ट संकेत हो सकता है कि आप घोस्टिंग का शिकार हो रहे हैं।

योजनाओं को बार-बार टालना

यदि सामने वाला व्यक्ति बार-बार मिलने या बात करने की योजनाओं को टालता रहता है और बिना किसी वैध कारण के बार-बार बहाने बनाता है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आपका रिश्ता या दोस्ती घोस्टिंग की ओर बढ़ रही है। ऐसे में आपको संभलने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर अनुपस्थिति

सोशल मीडिया पर तो आजकल हर कोई एक्टिव रहता है। ऐसे में अगर सामने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया पर सक्रिय है, लेकिन आपके संदेशों का उत्तर नहीं दे रहा है या आपके पोस्ट को अनदेखा कर रहा है, तो यह घोस्टिंग का संकेत हो सकता है।

दोस्तों या परिचितों से भी दूरी

अगर आप किसी कॉमन फ्रेंड्स या परिचितों के माध्यम से उस व्यक्ति के बारे में जानने की कोशिश करते हैं और वे भी आपसे दूरी बनाते हैं, तो यह घोस्टिंग का एक और संकेत हो सकता है। क्योंकि सामने वाला हर किसी को ये पहले से ही बोल देता है कि आपको किसी तरह की जानकारी न दी जाए।

बात क्लीयर न करना

आपके बार-बार पुछने के बाद भी यदि सामने वाला व्यक्ति दूरी बनाने की वजह नहीं बता पा रहा है, तो मतलब साफ है कि वो एक घोस्टर है, जिससे आपको खुद दूरी बना लेगी चाहिए।



समस्या गंभीर तो है लेकिन समय रहते इसका इलाज भी संभव

बहुत सी लड़कियों में बढ़ रहा पुरुषों वाला हार्मोन जीवनशैली में आए बदलाव हैं इसके लिए जिम्मेदार

आ धु नि क जीवनशैली, खान-पान में बदलाव और बढ़ते तनाव के बीच महिलाओं की सेहत को लेकर एक बेहद गंभीर समस्या तेजी से सामने आ रही है। आज के समय मेंकिशोरियों और युवा महिलाओं में एंड्रोजन यानी पुरुषों वाले हार्मोन का स्तर अनियंत्रित रूप से बढ़ता देखा जा रहा है। आमतौर पर एंड्रोजन को 'पुरुष हार्मोन' माना जाता है, हालांकि महिलाओं के शरीर में भी यह बहुत कम मात्रा में बनता है और ओवरी तथा एड्रेनल ग्रंथियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। लेकिन जब शरीर में इसकी मात्रा सामान्य से अधिक होने लगती है, तो यह महिलाओं के शारीरिक, मानसिक और हार्मोनल संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ देता है।

चिकित्सा विज्ञान की भाषा में इस स्थिति को 'हाइपरएंड्रोजेनिज्म' कहा जाता है। आज भारत सहित दुनिया भर में लाखों लड़कियां इस अदृश्य बीमारी और हार्मोनल असंतुलन की शिकार हो रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि शुरुआती लक्षणों की अनदेखी के कारण ज्यादातर लड़कियों को इस समस्या का पता काफी देर से चलता है।

वयों बढ़ता है एंड्रोजन हार्मोन?

महिलाओं के शरीर में एंड्रोजन का स्तर बढ़ने के पीछे कई मुख्य कारण जिम्मेदार हैं:



पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम-यह महिलाओं में एंड्रोजन बढ़ने का सबसे बड़ा और प्रमुख कारण है। पीसीओएस में ओवरी में छोटी-छोटी सिस्ट बन जाती हैं, जिससे ओवरी जरूरत से ज्यादा टेस्टोस्टेरोन (एक प्रकार का एंड्रोजन) बनाते लगती है।

इंसुलिन रेंजिस्ट्रेस-गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण जब शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पातीं, तो अन्व्याशय अधिक इंसुलिन बनाने लगता है। शरीर में इंसुलिन का उच्च स्तर ओवरी को अधिक एंड्रोजन बनाने के लिए उकसाता है।

खराब जीवनशैली और प्रोसेस्ड फूड: जंक फूड, पैकड स्नेक्स, अल्पाधिक चीनी और रिफाईंड कार्ब्स का सेवन शरीर में सूजन और हार्मोनल गड़बड़ी पैदा करता है।

अत्यधिक तनाव और नींद की कमी: लंबे समय तक तनाव में रहने से शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जो एड्रेनल ग्रंथियों को प्रभावित कर एंड्रोजन के उत्पादन को बढ़ा देता है। एड्रेनल ग्रंथि की समस्याएं: एड्रेनल हाइपरप्लासिया या एड्रेनल ट्यूमर जैसी दुर्लभ स्थितियों में भी एंड्रोजन का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है।

बढ़ते पुरुष हार्मोन के मुख्य लक्षण और दिक्कतें

शरीर में एंड्रोजन का स्तर बढ़ने पर लड़कों और पुरुषों जैसे लक्षण दिखाई

युवा बल्लेबाज आयुष का दूसरी बार इंडिया-ए टीम में चयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा क्रिकेटर आयुष पांडे ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभाव छोड़ने वाले आयुष को अब ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली चार दिवसीय सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम में शामिल किया गया है। खास बात यह है कि यह लगातार दूसरी बार है, जब उन्हें इंडिया-ए की टीम में जगह मिली है। इससे पहले जून 2026 में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेली गई चार दिवसीय सीरीज में भी आयुष भारतीय-ए टीम का हिस्सा रहे थे। अब एक बार फिर चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताते हुए ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है।

पुडुचेरी में होंगे दोनों मुकाबले

इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच चार दिवसीय सीरीज के दोनों मुकाबले पुडुचेरी में खेले जाएंगे। पहला मैच 22 से 25 सितंबर 2026 तक, जबकि दूसरा मुकाबला 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। इस सीरीज में आयुष के प्रदर्शन पर छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रशंसकों की खास नजर रहेगी।

रणजी ट्रॉफी में बल्ले से मचाया था धमाल

आयुष पांडे ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में छत्तीसगढ़ की ओर से खेलते हुए अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया था। उन्होंने 7 मैचों की 13 पारियों में 573 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 57.30 रहा। आयुष के बल्ले से सीजन में दो शतक और दो अर्धशतक निकले। मुंबई के खिलाफ उनकी 183 रन की पारी विशेष रूप से चर्चा में रही थी। इसी शानदार



प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

दिलीप ट्रॉफी में भी छोड़ी छाप

रणजी ट्रॉफी के प्रदर्शन के बाद आयुष को दिलीप ट्रॉफी के लिए भी चुना गया। वहां उन्होंने दो मैचों की तीन पारियों में 102 रन बनाए और उनका बल्लेबाजी औसत 53.92 रहा। लगातार घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का नतीजा अब इंडिया-ए टीम में उनके लगातार चयन के रूप में सामने आया है।

देवदत्त पडिक्कल संभालेंगे टीम की कमान

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल को सौंपी गई है, जबकि साई सुदर्शन उपकप्तान होंगे। टीम में अमन मोखड़े, आयुष पांडे, यश राठौड़ और शेख राशीद समेत कुल 16 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ से निकलकर इंडिया-ए जैसी टीम में लगातार दूसरी बार जगह बनाना आयुष के लिए बड़ी उपलब्धि है।

कार्नर न्यूज

योगासन अपनाने के साथ ही सावधानियों को पहले जरूर जान लें

भुजंगासन के जबरदस्त फायदे, इस आसन को करने से कई समस्याओं से मिल जाएगा छुटकारा

डिप्रेशन और तनाव से छुटकारा

अगर आप नियमित रूप से ये भुजंगासन करते हैं, तो आपको डिप्रेशन और तनाव से छुटकारा मिल सकता है। अवसाद के लक्षणों को कम करने और वात दोष को कम करने में भी ये योगासन मदद कर सकता है।

थायरॉइड की समस्या में आराम

भुजंगासन करने से गले और थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करने में सहायक माना जाता है। अगर आपको थायरॉइड की समस्या है तो आप इस आसन को कर सकते हैं, क्योंकि ये योगासन हार्मोन के स्नाव को संतुलित करने में सहायक है जिससे थायरॉइड की जटिलताओं को कम किया जा सकता है।

गठिया

अगर आपको गठिया की समस्या है, तो आप भुजंगासन का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से शरीर को पूर्ण आराम देने के साथ, ऊतकों और



कोशिकाओं को ठीक रखने में भी मदद मिलती है। ऐसे में अगर आप चाहें तो आप इस आसन को कर सकते हैं।

भुजंगासन हठयोग का एक प्रमुख और अत्यंत प्रभावी आसन है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने के साथ-साथ शरीर के आंतरिक अंगों को सक्रिय करने में मदद करता है।

सही विधि

प्रारंभिक स्थिति: पेट के बल सीधे



शालेय खेलकूद में रायपुर बना ओवरऑल चैंपियन

रायपुर। राजधानी रायपुर में बीते चार दिनों से आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग एवं भव्य समापन शहर के पाटीदार भवन में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा थे।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग एवं भव्य समापन

समारोह की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पूजन-वंदन के साथ हुई। मुख्य अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा ने अपने सारार्गमित संबोधन में जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी बढ़ते हैं। उन्होंने राज्य सरकार



की 'उत्कृष्ट खिलाड़ी योजना' का उल्लेख करते हुए बताया कि इस योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक होनहार खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे युवाओं का खेलों के प्रति रुझान लगातार बढ़ रहा है।

रायपुर का रहा दबदबा, बना ओवरऑल चैंपियन

समारोह के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एम. जी. सतीश कुमार ने प्रतियोगिता का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न संभागों और खिलाड़ियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर ट्रॉफी व पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। रायपुर जिले ने प्रतियोगिता में शामिल तीनों खेल स्पर्धाओं—स्क्वाश, फुटबॉल और बास्केटबॉल—में अपना दबदबा बनाए रखते हुए 'ओवरऑल चैंपियन' का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता के संभागवार परिणाम

फुटबॉल स्पर्धा में बालक (14/17 वर्ष): प्रथम - बस्तर संभाग, द्वितीय - दुर्ग संभाग, तृतीय - सरगुजा संभाग। बालिका (17 वर्ष): प्रथम - बस्तर संभाग, द्वितीय - रायपुर संभाग, तृतीय - दुर्ग संभाग।

बास्केटबॉल स्पर्धा में बालक 14 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - दुर्ग, तृतीय - सरगुजा संभाग। बालक 17 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - दुर्ग, तृतीय - सरगुजा संभाग। बालक 19 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - दुर्ग, तृतीय - बिलासपुर संभाग। बालिका 14 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - दुर्ग, तृतीय - सरगुजा संभाग। बालिका 17 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - बिलासपुर, तृतीय - दुर्ग संभाग। बालक 19 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - बिलासपुर, तृतीय - दुर्ग संभाग।

स्क्वाश स्पर्धा में बालक 14 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - दुर्ग, तृतीय - बिलासपुर संभाग। बालिका 14 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - दुर्ग, तृतीय - सरगुजा संभाग। बालक 17 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - बिलासपुर, तृतीय - दुर्ग संभाग। बालिका 17 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - बिलासपुर, तृतीय - दुर्ग संभाग। बालक 19 वर्ष: प्रथम - रायपुर, द्वितीय - बिलासपुर, तृतीय - दुर्ग संभाग।



लेट जाएं, पैरों को आपस में मिलाएं और माथे को जमीन पर टिकाएं। हाथों की स्थिति: अपनी दोनों हथेलियों को छाती के दोनों तरफ (कंधों के ठीक नीचे) जमीन पर रखें। कोहनियों को शरीर के पास और थोड़ा ऊपर की ओर मोड़कर रखें। सांस और खिंचाव: लंबी और गहरी सांस लेते हुए धीरे-धीरे अपने सिर, गर्दन और फिर छाती को ऊपर की ओर उठाएं। अपनी नाभि को जमीन से सटाकर रखें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

नेटफ्लिक्स पर फिर दिखेगा पावर धोखे और राजनीति का ट्रिपल डोज

नेटफ्लिक्स का सुपरहिट राजनीतिक थ्रिलर 'द डिप्लोमैट सीजन 4' वापसी के लिए तैयार है। इस नए सीजन में केरी रसेल अपने पति के राज नीति क रसूख और अंतरराष्ट्रीय साजिशों से एक बार फिर लोहा लेती नजर आएंगी।

जब रिश्तों में राजनीति घर करने लगे तो उनकी बुनियाद कमजोर पड़ने लगती है और रिश्ते में दूरार आने लगती है। यह टकराव तब और गहरा हो जाता है जब दोनों के अहम (ईगो) आमने-सामने आ जाते हैं। 'द डिप्लोमैट' की कहानी इसी ताने-बाने पर बुनी गई है, जिसके पिछले तीन सीजनों में राजनीति और रिश्तों का भरपूर ड्रामा देखने को मिला। अगर आपको लग रहा था कि पिछले सीजन के साथ यह रोमांच खत्म हो गया है, तो आप बिल्कुल गलत हैं। निर्माताओं ने इसके नए सीजन को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है, जिसके बाद दर्शक एक बार फिर केरी रसेल का दमदार अभिनय और हेल वाइलर की कूटनीति देखने के लिए उत्सुक हैं। यह चर्चित शो अपनी रहस्य से भरी कहानी और बेहतरीन अभिनय के दम पर दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीत चुका है। तीन सीजनों को मिले बेपनाह प्यार के बाद, यह सीरीज एक बार फिर चौथे सीजन के साथ लौट रही है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा— 'रकेरी रसेल स्टारर 'द डिप्लोमैट' सीजन 4 का प्रीमियर 15 अक्टूबर को होगा।' सीजन 4 का सबसे बड़ा मोड़ केट वाइलर और उनके ऑन-स्क्रीन पति हेल वाइलर (रुफस सेवेल) के बीच का हाई-वोल्टेज ड्रामा होगा।

टॉलीवुड

राधिका ने बयां किया सूर्या का दर्द बोलीं- मुश्किल दौर भी झेला

तमिल एक्टर सूर्या इन दिनों फिल्म 'विश्वनाथ एंड सन्स' की सक्सेसफुल एंजॉय कर रहे हैं। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार रिसाॅन्स मिल रहा है। फिल्म में एक्ट्रेस राधिका शरतकुमार भी नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि सूर्या और उनके बीच में क्लोज बॉन्ड है। राधिका ने बताया कि सूर्या ने अपनी जिंदगी में मुश्किल दौर भी झेला है और उससे खूबसूरती के साथ बाहर आए हैं।

बता दें कि फिल्म में राधिका ने सूर्या की मां का रोल प्ले किया है। फिल्म की सक्सेस मीट पर राधिका ने डायरेक्टर वेंकी की तारीफ की। उन्होंने सूर्या की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं फैमिली मेंबर की तरह सूर्या से ज्यादा कनेक्ट करती हूं क्योंकि मैंने उनका स्ट्रगल देखा है। जिस दर्द से वो गुजरे हैं मैंने वो देखा है। मुंबीज में बहुत लोगों ने चैलेंजर्स फेस किए हैं लेकिन रियल में मॅटल लड़ाई, वो अलग लेवल पर थी। सूर्या उनसब से निकले हैं। मैंने उन्हें करीब से देखा है और मैं उन पर बहुत गर्व महसूस करती हूं।' बता दें कि इस सेरेमनी में सूर्या नहीं आए थे।

आगे राधिका ने कहा कि सूर्या ग्राइवेट पर्सन हैं। उन्होंने कहा, 'सूर्या वो शख्स नहीं हैं जो बहुत बातें करें। वो बहुत कम बात करते हैं। वो कुछ सिलेक्टेड लोगों के साथ ही बात करते हैं। मैं उन क्लोज लोगों में से एक हूं। मैं उनसे कहती हूँ कि ये ऐसे मत करो, इसे ऐसे करो।' सैकनिल्फ के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 15।35 करोड़ की कमाई की। फिल्म को 5,034 शोज मिले। दूसरे दिन फिल्म ने 22।25 करोड़ का कलेक्शन किया। दूसरे दिन फिल्म को 5,157 शोज मिले। तीसरे दिन फिल्म ने 20.55 करोड़ का बिजनेस किया। चौथे दिन फिल्म ने 7.80 करोड़ कमाए। पांचवें दिन फिल्म ने 6.35 करोड़ की कमाई की।

भोजपुरी

रानी को 'मंथरा' कहे जाने पर किया जमकर पलटवार

'भोजपुरी बवाल' के ग्रांड प्रीमियर में दिनेश लाल यादव निरहुआ ने रानी चटर्जी को 'मंथरा' कहा, जिसके बाद इस पर एक्ट्रेस ने रिएक्शन दिया है और उन पर तीखा पलटवार करते हुए पूछा कि यहां सब राम और सीता हैं? निरहुआ ने रानी चटर्जी का कहा- 'मंथरा' तो एक्ट्रेस ने किया पलटवार, बोलीं- 'सभी राम हैं यहाँ'

'भोजपुरी बवाल' का बवाल अब शो के बाहर भी होने लगा है। शो का बवाल इस तरह से बढ़ता दिखाई दे रहा है कि सेलेब्स एक-दूसरे पर निशाना सोशल मीडिया पर लाव व वीडियो के जरिए साध रहे हैं और तीखा पलटवार कर रहे हैं। इसी बीच शो खत्म होने वाला है और इसका ग्रांड फिनाले चल रहा है। ऐसे में हालिया एपिसोड में निरहुआ दिनेश लाल यादव स्टैंडअप कॉमेडी करते दिखे थे और इस दौरान उन्होंने रानी चटर्जी को मंथरा कहा था, जिस पर अब एक्ट्रेस ने पलटवार किया है। दरअसल, 'भोजपुरी बवाल' में रानी चटर्जी, काजल राघवानी को सपोर्ट करने के लिए पहुंची थीं, जहां पर उन्होंने उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए कहा था, जिसके बाद बवाल भी मचा था। निरहुआ और आम्रपाली से झगड़ा भी हुआ था। ऐसे में जब ग्रांड फिनाले में रानी नहीं आई तो काजल से निरहुआ ने कहा था, 'मंथरा नहीं आई, जो लड़ाई लागवकर गायब हो गई।' इस पर रानी चटर्जी ने तीखा हमला किया और कहा, 'यहां सब राम हैं। आपके साथ बैठकर जो एक्ट्रेस हंस रही थीं वो सीता हैं।'



सादगी में भी खूबसूरती

रैंप पर चमकीली फ्लोरल ड्रेस पहने शानदार मॉडल, जो मॉडर्न फ्रैशन ट्रेंड्स दिखा रही है।यूरोप का आधुनिक फ्रैशन 'मिनिमलिज्म' (सौम्यता) और 'सस्टेनेबिलिटी' (सतत फ्रैशन) का अनूठा संगम है। इन दिनों वहाँ अति-दिखावे की जगह स्क्वाइंट लज्जरीर सॉफ्ट टेलरिंग और न्यूट्रल रंगों को तवज्जो दी जा रही है। टिकाऊ कपड़ों का चयन, रीसाइक्लिंग और आरामदेह



लाइफ स्टाइल

चाहिए निखरती त्वचा तो ऐसे करें आइस वाटर फेशियल

कई बार जब हम बालावुड का अभिनात्रया का दखत ह तो उनका दमकती त्वचा को देखकर सोचते हैं कि काश ऐसी ग्लोइंग स्किन हमारी भी होती। बहुत सी अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो रील लाइफ में तो खूबसूरत दिखती ही हैं, इसके साथ ही वो असल जिंदगी में भी कमाल की लगती हैं। उनकी निखरती त्वचा लोगों को उनका दीवाना बनाती है। इन्हीं अभिनेत्रियों में आलिया भट्ट का नाम शामिल है। आलिया भट्ट अपने ब्यूटी फेस के साथ-साथ अपनी ग्लोइंग त्वचा की वजह से काफी फेमस हैं। उन्होंने बताया कि वो महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की बजाए घरेलू नुस्खे इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करती हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वो आइस फेशियल करती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने आइस फेशियल को घर पर करने का सही तरीका बताया है। अगर आपको भी आलिया भट्ट के जैसी त्वचा चाहिए तो आप घर पर आइस वाटर फेशियल कर सकती हैं।

सबसे पहले जानें क्या है आइस फेशियल

घर पर आइस फेशियल करना बेहद आसान है। इसके लिए आपको बर्फ़ीले पानी में अपना चेहरा 5 सेकेंड के लिए डुबो कर रखना है। इसमें समय की पाबंदी नहीं है। आप अपनी क्षमता के हिसाब से भी चेहरे को पानी में डुबो सकती हैं। चेहरे को पानी में डुबोते वक़्त ये भी ध्यान रखें कि अगर आप ज्यादा देर तक चेहरा डुबाकर रखेंगे तो इससे स्किन पर जलन पड़ सकती है।

कब कर सकते हैं आइस फेशियल

अगर आप हैवी मेकअप करने का सोच रही हैं तो उससे पहले ये



फेशियल ज्यादा असरदार रहता है। इसे करने के त्वचा के पोर्स छोटे हो जाते हैं, जिस वजह से मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है। अगर आप आइस फेशियल लेने का सोच रही हैं तो पहले चेहरे को अच्छे से साफ जरूर कर लें। अगर आपकी त्वचा काफी ड्राई है तो आइस फेशियल से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। ऐसे में ड्राई स्किन वाले इससे दूर रहें।

ऑयली स्किन के लिए हरी मूंग दाल का करें इस्तेमाल

जब बात स्किन केयर की होती है तो ऐसे में हर कोई बेस्ट ही चाहता है। इसके लिए हम मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन स्किन की केयर करने का सबसे अच्छा तरीका होता है कि हम नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें। इन्हीं में से एक है हरी मूंग दाल। हरी मूंग दाल एक एक्सफोलिएंट के रूप में काम करती हैं, जिसके कारण आपकी स्किन गहराई से क्लीन होती है। इतना ही नहीं, इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी स्किन का ख्याल रखते हैं। हरी मूंग दाल आपके स्किन पोर्स को क्लॉग होने से रोकता है। साथ ही, इसमें नेचुरल ब्लीचिंग गुण आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में आप हरी मूंग दाल को कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

मूंग दाल और टमाटर के रस का इस्तेमाल अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में आप मूंग दाल के साथ टमाटर के रस को मिक्स करके अप्लाई कर सकती हैं। मास्क बनाने के लिए आप सबसे पहले हरी मूंग दाल को



लगभग 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब अतिरिक्त पानी निकालकर इसे पीसकर पेस्ट बना लें। अब इसमें टमाटर का रस और दही डालकर मिक्स करें। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को एक्सफोलिएट (जंवा त्वचा के लिए फेस पैक) करने के साथ-साथ उसे ग्लोइंग भी बनाता है। इन्हें अच्छी तरह मिक्स करने के बाद अपने चेहरे को क्लीन करें। तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और करीबन 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरा साफ करें और फिर स्किन को मॉइश्चराइज करें।

कार्न न्यूज

खूबसूरती को बढ़ाने के लिए मेकअप ही नहीं, बल्कि गहने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए किसी विशेष अवसर पर कुछ खास दिखने के लिए नए ट्रेंड्स को जानना जरूरी होता है। आजकल फ्यूजन लुक चलन में है। शादी का सीजन हो या फिर त्योहार का, गहनों के बिना महिलाओं का श्रृंगार अधूरा होता है। महिलाओं को फैशनबल कपड़े के साथ ट्रेंडिंग ज्वेलरी पहनना बहुत पसंद होता है, लेकिन सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण महिलाओं के बीच आर्टिफिशियल ज्वेलरी इन दिनों काफी ट्रेंड कर रही है। शादियों और त्योहारों का सीजन आने वाला है। अगर आप भी नए और लेटेस्ट ट्रेंड के साथ अपने लुक को और भी ज्यादा बेहतर बनाना चाहती हैं तो आपको अलग-अलग तरह की एक्सेसरीज को अपने लुक के साथ मैच करना होगा। आइए जानते हैं ज्वेलरी के लेटेस्ट ट्रेंड्स।

विंटेज ज्वेलरी

ज्वेलरी का चलन लगातार विकसित हो रहा है लेकिन कुछ



ऐसी ज्वेलरी भी हैं, जो हमेशा पसंद की जाती हैं। इनमें से एक है विंटेज ज्वेलरी। इसे क्लासिक्स ज्वेलरी या ट्रेंडिशनल ज्वेलरी भी कहा जाता है। विंटेज ज्वेलरी के प्रति लगाव, सोने के प्रति प्रेम और रत्नजडित पत्थरों की लोकप्रियता साल-दर- साल बढ़ती ही जा रही है, ये गहने काफी रिच और रॉयल लुक देते हैं। विंटेज ज्वेलरी कभी भी चलन से बाहर नहीं होती है। आप अपनी मां और दादी के गहनों को भी एकदम नया लुक दे सकती हैं।

शॉर्ट कुर्ती को स्टाइलिश बनाएंगे ये स्लीव्स डिजाइंस



स्लीव्स कुर्ती को स्टाइलिश बनाने का काम करती है। इसलिए इसके डिजाइन पर भी बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। अगर आप भी नए डिजाइंस की तलाश में हैं, तो यह लेख मददगार साबित हो सकता है। जब भी कंपर्टबल कपड़े की बात होती है, तो कुर्ती को जरूर शामिल किया जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है जिसे हर मौसम में आसानी से वियर किया जाता है। इसलिए हमारे वार्डरोब में कुर्तियों की भरमार होती है, लेकिन इसके बाद भी हमारे नए कपड़े बनाने की खाहिश कम नहीं होती। इसलिए हमेशा कुर्ती के नए-नए डिजाइन तलाशते रहते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं जो फैब्रिक से कुर्ती डिजाइन करवाते हैं। हालांकि, कुर्ती के डिजाइन सेलेक्ट करना आसान है, लेकिन स्लीव्स के डिजाइन कुछ खास समझ में नहीं आते। इसलिए हम आपके लिए कुछ ऐसे स्लीव्स के डिजाइन लेकर आए हैं, जिनकी मदद से कुर्ती को स्टाइलिश बनाया जा सकता है।

फुल स्लीव्स

यह डिजाइन में सबसे क्लासिक स्टाइल में से एक है। यह आस्तीन कंधे से शुरू होकर कलाई तक पूरी तरह ढकी होती है। इससे कुर्ती को बहुत ही सुंदर लुक मिलता है। फुल स्लीव्स की शॉर्ट कुर्तियां हर मौसम में वियर की जा सकती हैं। अगर आप के लिए ऑफिस वियर ऑप्शन तलाश रहे हैं, तो यह डिजाइन सेलेक्ट किया जा सकता है। इस डिजाइन की खासियत यह है कि यह न केवल पारंपरिक अवसरों के लिए, बल्कि ऑफिस वियर, कैजुअल वियर और पार्टी वियर के रूप में भी पहनी जा सकती है।



श्री-क्वार्टर स्लीव्स

श्री-क्वार्टर स्लीव्स एक ऐसी आस्तीन होती है, जो कंधे से शुरू होकर कोहनी से थोड़ी नीचे तक आती है। यह डिजाइन बहुत ही स्टाइलिश होता है। श्री-क्वार्टर स्लीव्स वाली कुर्तियां गर्मियों और मानसून के मौसम के लिए बहुत अच्छी मानी जाती हैं, क्योंकि यह न तो बहुत लंबी होती है और न ही बहुत छोटी।

इंस्टेंट ग्लो के लिए अपनाएं नेचुरल तरीके

चेहरे की खूबसूरती हर महिला के लिए उतनी ही अहम होती है जितना आने वाला दिवाली का त्योहार। इस दिन हर को सबसे अलग और खूबसूरत दिखना पसंद करती है। कई सारी महिलाएं तो ऐसी होती हैं तो इस दिन के लिए महीने भर पहले से ही स्किन केयर रूटीन फॉलो करना शुरू कर देते हैं। अगर आपको भी चाहिए नेचुरल ग्लो तो इसके लिए आप इन घरेलू तरीकों को ट्राई कर सकती हैं।

बेसन और रोज वाटर का करें इस्तेमाल

कई सारे ऐसे घरेलू नुस्खे होते हैं जिनका इस्तेमाल हम नेचुरल ग्लो के लिए करते हैं। इनमें से आप बेसन और रोज वाटर को चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। ऐसी इसलिए क्योंकि बेसन में एक्सफोलिएटिंग एजेंट मौजूद होते हैं जो डेड स्किन को हटाते हैं। इसके अलावा स्किन को इवन करता है। वहीं रोज वाटर स्किन को हाइड्रेट करता है।

बेसन और रोज वाटर का पैक बनाने का तरीका

इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें। अब इसमें 1 चम्मच रोज वाटर एड करें। फिर इन दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करें। इसके



बाद इस पेस्ट को अपने चेहरे पर अप्लाई करें। फिर 15-20 मिनट के लिए ड्राई (स्किन मॉइश्चराइजर) होने के लिए छोड़ दें। अब चेहरे को पानी से साफ कर लें। इससे आपकी स्किन नेचुरल ग्लो करने लगेगी। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में एक बार कर सकती हैं। खीरे के फेस मास्क का करें इस्तेमाल खीरा स्किन के लिए बेहद लाभकारी होता है। इसके इस्तेमाल से स्किन हाइड्रेट रहती है और नेचुरल ग्लो करती है। आप भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें मिमरल्स और विटामिन्स पाए जाते हैं जो स्किन को हेल्दी रखते हैं।

कीमतों में फर्क होने की वजह से महिलाएं अपना रही हर तरह की ज्वेलरी

सोना-चांदी नहीं, आज के दौर में महिलाओं को पसंद आ रही आर्टिफिशियल ज्वेलरी

इवेल आई ज्वेलरी



आपने एक कहावत सुनी होगी कि किसी की नजर न लगे। प्राचीन समय से हमारे समाज में बुरी नजर से बचाने के लिए इस ज्वेलरी का उपयोग होता आ रहा है। कुदृष्टि नाम से मशहूर आंख के आकार में बने ये चार संकेंद्रित वृत्त बुरी नजर से बचने के लिए पहना जाता है। आजकल इसका चलन भी काफी देखने को मिल रहा है और आप भी इसे अब ब्रेसलेट, ईयररिंग, मंगलसूत्र को स्टाइल करके पहन सकती हैं।

पर्ल ज्वेलरी

पर्ल ज्वेलरी का फैशन भी हजारों सालों से चला आ रहा है। यह आपको रॉयल लुक देती है। आपको बाजार में पर्ल ज्वेलरी की ढेरों ट्रेंडी डिजाइन्स देखने को मिल जाएंगी। आप ट्रेंडिशनल रानी हार, जोधा हार, चोकर हार को त्योहारों में लहंगे, साड़ी और हैवी सूट के साथ पहनकर अपना लुक क्लैट कर सकती हैं। पर्ल ज्वेलरी की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि इसे आप

ट्रेंडिशनल और वेस्टर्न दोनों तरह की ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं।

चांद बालियां ईयररिंग

अगर आप हैवी ज्वेलरी नहीं पहनना चाहती हैं तो आप चांद बालियां पहन सकती हैं। चांद बालियों का फैशन काफी समय से चला आ रहा है और बीते कुछ वर्षों में इसमें बहुत सारे नए प्रयोग और ट्रेंड्स देखने को मिले थे। इस साल भी चांद बालियों की लेटेस्ट डिजाइन्स काफी ट्रेंड में रहेंगी। इस बार चांद बालियों में और भी ज्यादा डिजाइनर लुक देखने को मिलेंगे। आप पर्ल, कुंदन और जरकन के काम वाली चांद बालियों को पहन सकती हैं। डायमंड ज्वेलरी पहन कर आप रिच लुक पा सकती हैं। डायमंड ज्वेलरी साड़ी और लहंगे और हैवी सूट सेट के साथ काफी अच्छे लगते हैं।